Class 10 Hindi Sparsh Chapter 5: तोप (Top) – Notes, प्रश्न-उत्तर और MCQs (2026-27)

ये Top Kavita Class 10 notes (तोप) CBSE कक्षा 10 हिंदी स्पर्श भाग 2 के पाँचवें पाठ को पूरी तरह कवर करते हैं: वीरेन डंगवाल का परिचय, कविता का भावार्थ, तोप का अतीत और वर्तमान, ईस्ट इंडिया कंपनी का संदर्भ, संदेश, NCERT प्रश्न-उत्तर, 10 MCQs और मुफ़्त PDF।

नीचे दी गई विषय-सूची से सीधे अपने ज़रूरी भाग पर जाएँ, या पूरे पाठ की तैयारी के लिए शुरू से अंत तक पढ़ें।

विषय-सूची (Table of Contents)

- पाठ परिचय (Chapter Overview)
- मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)
- तोप: अतीत और वर्तमान
- प्रतीक और अर्थ
- काव्य-सौंदर्य
- कविता के प्रमुख बिंदु
- शब्दार्थ (Word Meanings)
- लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)
- त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)
- सारांश (Summary)
- परीक्षा टिप्स (Exam Tips)
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)
- निष्कर्ष (Conclusion)

सभी पाठों के नोट्स चाहिए? Nextoper पर पूरे Class 10 Hindi notes देखें – क्षितिज, कृतिका, स्पर्श और संचयन, पाठ-वार।

पाठ परिचय (Chapter Overview)

वीरेन डंगवाल (1947–2015) का जन्म उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल ज़िले के कीर्तिनगर में हुआ। वे बरेली कॉलेज में हिंदी के प्राध्यापक और पत्रकार रहे। प्रमुख काव्य-संग्रह: इसी दुनिया में, दुष्चक्र में स्रष्टा, स्याही ताल। 'दुष्चक्र में स्रष्टा' पर उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। उनकी कविताओं में साधारण चीज़ों के माध्यम से गहरी बातें कही गई हैं।

'तोप' कविता में कंपनी बाग के मुहाने पर रखी 1857 की एक पुरानी तोप का वर्णन है, जिसे अंग्रेज़ों ने स्वतंत्रता सेनानियों के विरुद्ध प्रयोग किया था। आज वह विरासत के रूप में रखी है; बच्चे उस पर खेलते हैं और चिड़ियाँ उस पर बैठती हैं। कविता संदेश देती है कि अत्याचार का साधन कितना भी शक्तिशाली हो, एक दिन उसका अंत अवश्य होता है।

मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)

कंपनी बाग और विरासत की तोप

- कंपनी बाग के प्रवेश-द्वार पर 1857 की एक तोप रखी है।
- इसे विरासत के रूप में सँभालकर रखा गया है, जैसे कंपनी बाग को भी।
- यह हमें याद दिलाती है कि ईस्ट इंडिया कंपनी व्यापारी बनकर आई थी और देश पर अधिकार कर बैठी।

साल में दो बार चमकाना

- साल में दो बार – 15 अगस्त और 26 जनवरी – इस तोप को चमकाया जाता है।
- इससे पता चलता है कि हम इसे स्वतंत्रता संघर्ष की याद के रूप में सहेजते हैं।

तोप का भयानक अतीत

- सुबह-शाम बहुत से सैलानी बाग में घूमने आते हैं; तोप उन्हें अपने अतीत के बारे में बताती है।
- कभी यह बहुत ज़बरदस्त थी; इसने अच्छे-अच्छे सूरमाओं (वीरों) की धज्जियाँ उड़ा दी थीं।
- यह 1857 के स्वतंत्रता सेनानियों के दमन का साधन बनी थी।

तोप का वर्तमान: शक्तिहीनता

- आज छोटे बच्चे इस पर घुड़सवारी करते हैं, खेलते हैं।
- चिड़ियाँ इस पर बैठकर गपशप करती हैं; गौरैयाँ इसके मुँह के भीतर तक घुस जाती हैं।
- यह दिखाता है कि अब तोप का मुँह बंद हो गया है, उसकी विनाशक शक्ति समाप्त हो चुकी है।

कविता का संदेश

- चाहे कोई कितना भी बड़ा और शक्तिशाली हो, अत्याचार का एक दिन अंत होता है।
- हमें विरासत की वस्तुओं से इतिहास का सबक लेना चाहिए।
- हमें सजग रहना चाहिए ताकि कोई फिर व्यापार या किसी और बहाने देश की स्वतंत्रता न छीन सके।

तोप: अतीत और वर्तमान

सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा बिंदु।

अतीत	वर्तमान
विनाशकारी, ज़बरदस्त	शक्तिहीन, शांत
वीरों की धज्जियाँ उड़ाई	बच्चे घुड़सवारी करते हैं
डर का प्रतीक	चिड़ियाँ गपशप करती हैं
अंग्रेज़ी अत्याचार का साधन	विरासत, साल में दो बार चमकाई जाती है

प्रतीक और अर्थ

प्रतीकार्थ प्रश्नों के लिए।

प्रतीक	अर्थ
तोप	अत्याचार, दमन और शक्ति
कंपनी बाग	ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन की याद
बच्चे और चिड़ियाँ	स्वतंत्रता, निडरता और शांति
गौरैयों का मुँह में घुसना	अत्याचारी शक्ति का पूर्ण अंत

काव्य-सौंदर्य

काव्य-सौंदर्य प्रश्नों के लिए।

पक्ष	विवरण
भाषा	सरल खड़ी बोली, उर्दू शब्द (मुहाना, धज्जियाँ, सूरमा)
छंद	मुक्त छंद
शैली	व्यंग्यात्मक, वर्णनात्मक

अलंकार	मानवीकरण (तोप का बताना), अनुप्रास
विशेषता	साधारण वस्तु से गहरा ऐतिहासिक संदेश

कविता के प्रमुख बिंदु

बिंदु	विवरण
तोप कहाँ है	कंपनी बाग के मुहाने पर
किस काल की	1857
कब चमकाई जाती है	15 अगस्त, 26 जनवरी
अतीत में क्या किया	सूरमाओं की धज्जियाँ उड़ाईं
आज क्या होता है	बच्चे खेलते, चिड़ियाँ बैठतीं
संदेश	अत्याचार का अंत निश्चित

शब्दार्थ (Word Meanings)

शब्द	अर्थ
मुहाना	प्रवेश-द्वार
धरोहर	विरासत
सैलानी	पर्यटक
ज़बरदस्त	शक्तिशाली
सूरमा	वीर योद्धा
धज्जियाँ उड़ाना	पूरी तरह नष्ट करना
फ़ारिग	मुक्त, खाली
गपशप	बातचीत
गौरैयाँ	छोटी चिड़ियाँ
कंपनी बाग	ईस्ट इंडिया कंपनी के समय बना बगीचा
विरासत	पूर्वजों से मिली वस्तु

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

प्रश्न 1. विरासत में मिली चीज़ों की बड़ी सँभाल क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: विरासत की चीज़ें हमारे इतिहास, संस्कृति और पूर्वजों के संघर्ष की याद दिलाती हैं। वे हमें अतीत से सीख देती हैं, इसलिए उन्हें सँभालकर रखा जाता है।

प्रश्न 2. इस कविता से आपको तोप के विषय में क्या जानकारी मिलती है?

उत्तर: यह 1857 की तोप है जो कंपनी बाग के मुहाने पर रखी है। अंग्रेज़ों ने इससे अनेक वीरों को मारा था। आज यह शक्तिहीन है और साल में दो बार चमकाई जाती है।

प्रश्न 3. कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है?

उत्तर: तोप सीख देती है कि अत्याचारी कितना भी शक्तिशाली हो, उसका अंत निश्चित है। साथ ही हमें सजग रहना चाहिए ताकि देश फिर कभी गुलाम न हो।

प्रश्न 4. कविता में तोप को दो बार चमकाने की बात की गई है। ये दो अवसर कौन-से होंगे?

उत्तर: ये दो अवसर हैं 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) और 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस)।

प्रश्न 5. तोप की वर्तमान स्थिति पर बच्चों की घुड़सवारी वाले अंश का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: इसका भाव है कि कभी भयानक रही तोप आज इतनी शक्तिहीन हो गई है कि बच्चे उस पर घोड़े की तरह सवारी करते हैं; उसका डर समाप्त हो चुका है।

प्रश्न 6. तोप ने अपने समय में क्या किया था?

उत्तर: अपने समय में तोप ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के अनेक वीर सेनानियों (सूरमाओं) की धज्जियाँ उड़ा दी थीं।

प्रश्न 7. चिड़ियाँ तोप के साथ कैसा व्यवहार करती हैं?

उत्तर: चिड़ियाँ तोप पर बैठकर गपशप करती हैं और गौरैयाँ उसके मुँह के भीतर घुस जाती हैं, मानो उन्हें तोप का कोई डर नहीं।

प्रश्न 8. तोप की वर्तमान स्थिति पर व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: जो तोप कभी विनाश का प्रतीक थी, आज उस पर बच्चे खेलते और चिड़ियाँ बैठती हैं। यह व्यंग्य है कि अत्याचारी शक्ति अंततः तुच्छ और निष्प्रभावी हो जाती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

प्रश्न 1. 'तोप' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

- कंपनी बाग के मुहाने पर 1857 की तोप विरासत के रूप में रखी है।
- कभी इसने अनेक वीरों को मारा था और यह अत्याचार का प्रतीक थी।
- आज बच्चे इस पर खेलते और चिड़ियाँ बैठती हैं।
- यह दिखाता है कि अत्याचार का एक दिन अंत होता है।
- कविता हमें इतिहास से सीख लेकर सजग रहने का संदेश देती है।

प्रश्न 2. तोप के अतीत और वर्तमान की तुलना कीजिए।

- अतीत में तोप शक्तिशाली और भयावह थी।
- उसने स्वतंत्रता सेनानियों की धज्जियाँ उड़ाईं।
- वर्तमान में वह शांत और शक्तिहीन है।
- बच्चे उस पर घुड़सवारी करते और गौरैयाँ उसके मुँह में घुसती हैं।
- तुलना से स्पष्ट है कि अत्याचारी शक्ति स्थायी नहीं होती।

प्रश्न 3. 'तोप' कविता ईस्ट इंडिया कंपनी के बारे में क्या संकेत देती है?

- कंपनी बाग और तोप दोनों कंपनी के शासन की याद दिलाते हैं।
- कंपनी व्यापार करने आई थी, पर धीरे-धीरे देश पर अधिकार कर बैठी।
- उसने तोपों से स्वतंत्रता संग्राम का दमन किया।
- कविता चेतावनी देती है कि हम विदेशी शक्तियों के प्रति सजग रहें।
- स्वतंत्रता की रक्षा हर नागरिक का कर्तव्य है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)

1. 'तोप' कविता के कवि हैं

(क) कैफ़ी आज़मी (ख) वीरेन डंगवाल (ग) पंत (घ) मंगलेश डबराल

उत्तर: (ख) वीरेन डंगवाल

2. तोप कहाँ रखी है?

(क) लाल किला (ख) कंपनी बाग के मुहाने पर (ग) संग्रहालय (घ) सेना छावनी

उत्तर: (ख) कंपनी बाग के मुहाने पर

3. तोप किस वर्ष की है?

(क) 1757 (ख) 1857 (ग) 1947 (घ) 1905

उत्तर: (ख) 1857

4. तोप साल में कितनी बार चमकाई जाती है?

(क) एक (ख) दो (ग) तीन (घ) चार

उत्तर: (ख) दो

5. तोप पर कौन घुड़सवारी करते हैं?

(क) सैनिक (ख) छोटे बच्चे (ग) सैलानी (घ) पुलिस

उत्तर: (ख) छोटे बच्चे

6. तोप के मुँह में कौन घुस जाती हैं?

(क) मक्खियाँ (ख) गौरैयाँ (ग) चींटियाँ (घ) तितलियाँ

उत्तर: (ख) गौरैयाँ

7. 'सूरमा' का अर्थ है

(क) कायर (ख) वीर योद्धा (ग) सैलानी (घ) राजा

उत्तर: (ख) वीर योद्धा

8. कविता का संदेश है

(क) युद्ध करो (ख) अत्याचार का अंत निश्चित है (ग) तोपें बनाओ (घ) व्यापार करो

उत्तर: (ख) अत्याचार का अंत निश्चित है

9. वीरेन डंगवाल को किस संग्रह पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला?

(क) इसी दुनिया में (ख) दुष्चक्र में स्रष्टा (ग) स्याही ताल (घ) पहाड़ पर लालटेन

उत्तर: (ख) दुष्चक्र में स्रष्टा

10. 'मुहाना' का अर्थ है

(क) मुँह (ख) प्रवेश-द्वार (ग) दीवार (घ) छत

उत्तर: (ख) प्रवेश-द्वार

त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)

- कवि: वीरेन डंगवाल (1947–2015), कीर्तिनगर (टिहरी गढ़वाल); दुष्चक्र में स्रष्टा (साहित्य अकादमी)।
- कंपनी बाग के मुहाने पर 1857 की तोप; विरासत।
- 15 अगस्त, 26 जनवरी को चमकाई जाती है।
- अतीत: सूरमाओं की धज्जियाँ उड़ाईं।
- वर्तमान: बच्चे घुड़सवारी, चिड़ियाँ गपशप, गौरैयाँ मुँह में।
- संदेश: अत्याचार का अंत निश्चित; सजग रहो।

सारांश (Summary)

कंपनी बाग के प्रवेश-द्वार पर 1857 की एक तोप रखी है, जिसे विरासत के रूप में सँभाला गया है और साल में दो बार चमकाया जाता है। सैलानी उसे देखते हैं; यह उन्हें बताती है कि कभी इसने अच्छे-अच्छे वीरों को नष्ट कर दिया था।

आज यह तोप शक्तिहीन है; बच्चे उस पर सवारी करते हैं, चिड़ियाँ उस पर बैठकर बातें करती हैं और गौरैयाँ उसके मुँह में घुस जाती हैं। कविता बताती है कि अत्याचार का साधन कितना भी बड़ा हो, उसका अंत एक दिन अवश्य होता है।

परीक्षा टिप्स (Exam Tips)

- तोप के अतीत और वर्तमान की तुलना तालिका से याद करें।
- विरासत की सँभाल वाला प्रश्न बहुत महत्वपूर्ण है।
- दो अवसर (15 अगस्त, 26 जनवरी) अवश्य लिखें।
- कविता के संदेश को बिंदुवार लिखें।
- आधुनिक कविता होने के कारण उद्धरण अपनी पाठ्यपुस्तक से ही लें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

इस पाठ का मुख्य संदेश क्या है?

अत्याचार कितना भी शक्तिशाली हो, उसका अंत निश्चित है; इतिहास से सीख लेकर सजग रहें।

क्या यह पाठ 2026-27 सिलेबस में है?

हाँ, यह CBSE हिंदी B की पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग 2 में है।

क्या इन नोट्स का PDF मिलेगा?

हाँ, ऊपर दिए लिंक से बिना साइनअप मुफ़्त PDF डाउनलोड करें।

निष्कर्ष (Conclusion)

तोप कविता साधारण वस्तु के माध्यम से इतिहास का गहरा सबक देती है। अतीत-वर्तमान तालिका और प्रतीकार्थ दोहराकर इस पाठ में पूरे अंक पाएँ।

और नोट्स (More Notes): Class 10 Hindi Sparsh Chapter 4: पर्वत प्रदेश में पावस notes | Class 10 Hindi Sparsh Chapter 6: कर चले हम फ़िदा notes | All Class 10 Hindi notes

लेखक परिचय (Author Bio): ये नोट्स Nextoper Editorial Team ने तैयार और जाँचे हैं – CBSE हिंदी शिक्षकों का समूह, जो NCERT पाठ्यपुस्तक और पिछले बोर्ड प्रश्नपत्रों के पैटर्न के आधार पर पाठ-वार नोट्स बनाते हैं।

अद्यतन जानकारी (Freshness Note): ये नोट्स NCERT कक्षा 10 की हिंदी पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग 2 (Reprint 2026-27, CBSE Hindi B) और 2026-27 सत्र के CBSE पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। अंतिम जाँच: 10 नवंबर 2026।